



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
कानपूर, उत्तर प्रदेश



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 10-10-2025

मथुरा(उत्तर प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-10-10 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-10-11	2025-10-12	2025-10-13	2025-10-14	2025-10-15
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	32.0	33.0	33.0	34.0	33.0
न्यूनतम तापमान(से.)	21.0	22.0	21.0	21.0	21.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	62	61	58	58	64
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	46	46	41	40	45
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6	6	4	0	3
पवन दिशा (डिग्री)	284	313	323	360	130
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	0	0
चेतावनी	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं

पूर्वानुमान सारांश:

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, अगले पाँच दिनों तक आसमान साफ़ रहने के कारण बारिश की कोई संभावना नहीं है। अधिकतम तापमान 33.0-34.0°C के बीच रहेगा, जो सामान्य के आसपास रहने की संभावना है और न्यूनतम तापमान 21.0-22.0°C के बीच रहेगा, जो सामान्य के आसपास रहने की संभावना है। सापेक्ष आर्द्रता का अधिकतम और न्यूनतम दायरा 58-64% और 40-46% के बीच रहेगा। हवा की दिशा उत्तर-पश्चिम, दक्षिण-पूर्व और गति 0.0-6.0 किमी/घंटा के बीच रहेगी, हवा की गति 1-2 किमी/घंटा सामान्य रहने की संभावना है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, इस सप्ताह मौसम की कोई चेतावनी नहीं है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे खरीफ की खड़ी फसलों में आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई का कार्य करें तथा परिपक्व फसलों की कटाई/मड़ाई एवं बुवाई के लिए मौसम अनुकूल है। विगत सप्ताह हुई वर्षा से भीगी फसल को धूप में अच्छी तरह सुखाकर मड़ाई का कार्य करें। पशुओं को मच्छरों से बचाव हेतु पशु बाड़ों में धुआँ करें।

सामान्य सलाहकार:

खरीफ में बोई गई परिपक्व फसलों धान, मक्का, तिल आदि की कटाई एवं मड़ाई के लिए मौसम अनुकूल है तथा रबी के मौसम में बोई जाने वाली फसलें जैसे - चना, मटर, मसूर, सरसों व अलसी आदि की बुवाई बीजोपचार करने के उपरान्त बुवाई का कार्य करें। समय से रोपी गई मक्का और धान की 85 % सुनहरे रंग की दिखाई देने पर फसल की कटाई करें।

लघु संदेश सलाहकार:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे खरीफ में बोई गई परिपक्व फसलों की कटाई एवं मड़ाई तथा रबी फसलों की बुवाई के लिए मौसम अनुकूल हैं।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	जब बालियाँ 80% सुनहरे रंग दिखाई देने लगे तो फसलों की कटाई करें तथा कटाई के पश्चात लॉक को धूप में सुखाकर मड़ाई का कार्य साफ मौसम पर करें। वर्तमान मौसम कीटों के लिए अनुकूल है अतः धान की फसल में फूल आने के बाद औसतन 2-3 गन्धी कीट /हिल दिखाई दे तो इसके नियंत्रण हेतु इमिडाक्लोरोप्रिड 17.8% एस एल की 350 मिली/हेक्टेयर या बुरफोजिन 25 % एस पी 750 मिली/हेक्टेयर की दर से 500 -600 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव साफ मौसम में करें।
मूँगफली	मूँगफली की खुदाई तभी करे जब छिलके के ऊपर की नसें उभर आये तथा भीतरी भाग कलई रंग की हो जाय और मूँग फली का दाना गुलाबी हो जाय। मूँगफली की फसल में सफेद गिडार/ दीमक कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु फिप्रोनिल 0.3 % जी.आर. 20 किलोग्राम/हेक्टेयर की दर से बुरकाव करें।
काला चना	विगत सप्ताह हुई वर्षा से भीगी फसल को धूप में अच्छी तरह सुखाकर मड़ाई का कार्य करें। उर्द/मूँग की परिपक्व फसलों की कटाई/मड़ाई के लिए मौसम अनुकूल हैं।
रेपसी ड	तोरिया फसल की बुवाई के 20-22 के अन्दर निराई - गुड़ाई करने के साथ ही पौध से पौध की आपसी दूरी 10 - 15 सेंटीमीटर कर दे।
सरसों	राई/सरसों की संस्तुति प्रजातियाँ- बरुणा, रोहिणी, नरेंद्र राई- 8501, माया, वैभव आदि में से किसी एक प्रजाति की बुवाई के लिए 3-4 किलोग्राम बीज/हेक्टेयर की दर से बुआई का कार्य रखें।
चना	चना के फसल की संस्तुति प्रजातियाँ- अवरोधी, पूसा-256, पूसा-362, के डब्लू आर-108, के -850, के डी जी -1168 आदि में से किसी एक प्रजाति की बुवाई के लिए छोटे दानों का बीज 75-80 किलोग्राम व बड़े दाने की प्रजाति के लिए 90-100 किलोग्राम बीज/हेक्टेयर की दर से बुआई का कार्य रखें।
गन्ना	लालसड़न रोग से प्रभावित पौधों को जड़ सहित निकालकर नष्ट कर दें तथा थायोफिनेट मिथाइल 0.2 प्रतिशत के घोल से पौधों पर छिड़काव करें। गन्ने की फसल में बैक्टीरियल रॉट बीमारी के लक्षण दिखने पर संक्रमित पौधों को काटकर नष्ट कर दें तथा इसके नियंत्रण हेतु स्ट्रेप्टोसाइक्लिन 0.01 प्रतिशत का छिड़काव मौसम अनुकूल होने पर करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आलू	आलू की बुवाई के लिए खेतों की तैयारी कर बुवाई का कार्य प्रारम्भ करें। आलू के फसल में चेचक रोग से बचाव हेतु कन्दों को 100 ग्राम स्ट्रेप्टोसाइक्लीन या बोरिक एसिड को 10 लीटर पानी में घोल बनाकर बीज पर छिड़काव करें तथा अंकुरित बीज को उपचारित न करें। बुआई के 7-10 दिन पहले शीत भण्डार से आलू के बीज को बाहर निकालें। शीत भण्डारण में भण्डारित बीज में यदि अंकुर निकल आये तो उनको छाँटकर अलग कर दें। आलू की अगेती किस्म-कुफरी अशोका, कुफरी चंद्रमुखी, कुफरी जवाहर आदि की बुवाई का कार्य करें।

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
सब्जी पीईए	सब्जी मटर, सौफ, अजवाइन, चुकन्दर, लहसुन, धनिया, पालक, सोया, मेथी, मूली, गाजर, शलजम एवं पत्तेदार सब्जियों की बुवाई करें। टमाटर, प्याज, मिर्च, फूलगोभी एवं पत्तागोभी की नर्सरी डालें। यदि खेत में पानी रुकने की संभावना है तो फूलगोभी, बैंगन, टमाटर, मिर्च आदि की रोपाई मेड़ों पर करें। सब्जियों की फसलों में फल छेदक / पत्ती छेदक कीट का प्रकोप दिखाई दे रहे हो तो इसके नियंत्रण हेतु नीम आयल की 1.5 मिली/लीटर पानी में घोल बनाकर 3-4 छिड़काव 8-10 दिन के अंतराल पर आसमान साफ होने पर करें।
आम	आम, अमरुद, आँवला, नीबू आदि फलों के पौधों की रोपाई शीघ्र पूरा करने का प्रयास करें। नए बागों में नष्ट हुए पौधों के स्थान पर नए पौधों की रोपाई करें। केले/पपीते के बागों की गुड़ाई-करके तने के चारों तरफ 25-30 सेंटीमीटर ऊंची मिटटी चढ़ा दे स्टेंडिंग करें। आम में पत्ती कटाने वाले कीट की रोकथाम हेतु 2% कार्बरिल 1.5 % धूल का बुरकाव करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भैंस	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे गर्भवती भैंसों/गायों को ढलान वाले स्थान पर न बांधें। गर्भवती भैंसों/गायों को पौष्टिक चारा एवं दाना खिलायें तथा नवजात बच्चे को तीन दिन तक खिस अवश्य पिलायें। पशुओं को साफ-सुथरे स्थान पर रखें तथा पशुओं को डास मक्खी और मच्छर से बचाव करें। पशुओं को खुरपका-मुँहपका रोग की रोकथाम के लिए टीका लगवायें। इस रोग से ग्रसित पशुओं के घाव को पोटैशियम परमैंगनेट से धोएं। पशुओं को हरे और सूखे चारे के साथ पर्याप्त मात्रा में अनाज दें। पशुओं को तालाबों या अन्य जगह के रुके हुए पानी को न पिलायें, इससे पशुओं को लीवर फ्लू व पेट के कीड़े होने की संभावना रहती है। पशुओं को साफ एवं ताजा पानी दिन में 3-4 बार अवश्य पिलायें।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे मुर्गियों के रहने के स्थान पर प्रति दिन सफाई करें। मुर्गियों को स्वच्छ पानी तथा सन्तुलित आहार की व्यवस्था करें। अंडे के लिए नये चूजें द्वारा मुर्गियों को पालने के लिए यह समय उपयुक्त नहीं है परंतु ब्रायलर मुर्गियों के लिए यह समय उपयुक्त है। मुर्गियों को भोजन में पूरक आहार, विटामिन और ऊर्जा खाद्य सामग्री मिलाएं और साथ ही साथ कैल्शियम सामग्री भी मुर्गियों को दें। पानी का क्लोरीनेशन अवश्य करें। मुर्गियों के पेट में कीड़ों के मारने के लिए (डिडिमिग) की दवा दें। मुर्गीखाने को सूखा रखें तथा बिछावन को पलटते रहें। मुर्गीखाने में अधिक नमी हो तो पंखा चलायें।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, इस सप्ताह मौसम की कोई चेतावनी नहीं है।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे खरीफ की खड़ी फसलों में आवश्यकतानुसार हल्की सिचाई का कार्य करें तथा परिपक्व फसलों की कटाई/मड़ाई एवं बुवाई के लिए मौसम अनुकूल है। विगत सप्ताह हुई वर्षा से भीगी फसल को धूप में अच्छी तरह सुखाकर मड़ाई का कार्य करें। पशुओं को मच्छरों से बचाव हेतु पशु बाड़ों में धुआँ करें।

Farmers are advised to download Unified  "Mausam" and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: <https://play.google.com/store/apps/details/>

Meghdoot MobileApp link: <https://play.google.com/store/apps/details>

Damini MobileApp link : <https://play.google.com/store/apps/details>